यूनिट-3 पूंजी और राजस्व व्यय और प्राप्तियां

अध्ययन परिणाम

इस यूनिट का अध्ययन करने के बाद, आप सक्षम होंगे:

- राजस्व व्यय की पहचान करने और पूंजीगत व्यय से अंतर करने के मानदंड सीखें
- पूंजी व राजस्व प्राप्तियों के बीच अंतर जानें।
- आस्थगित खर्च की प्रकृति के साथ इस तरह के अंतर के संबंध को समझें।

यूनिट अवलोकन

पूंजी
- भुगतान
- रसीदें

राजस्व
- भुगतान
- रसीदें

3.1 परिचय

लेखांकन का उद्देश्य लेखांकन अवधि के लिए व्यापार के परिणामों का पता लगाना व प्रस्तुत करना है। आवधिक व्यापारिक परिणामों का पता लगाने के लिए, लेनदेन की प्रकृति का विश्लेषण किया जाना चाहिए कि क्या वह पूंजी या राजस्व प्रकृति का है। राजस्व व्यय एक लेखांकन अवधि के व्यापार के संचालन या अवधि या व्यय की वस्तुओं के दौरान अर्जित राजस्व से संबंधित है, जिसके लाभ उस अवधि से आगे नहीं बढ़ते है। दूसरी ओर, पूंजीगत व्यय, स्थायी लाभ उत्पन्न करता है और एक से अधिक लेखांकन अवधि में राजस्व सृजन में सहायता करता है। राजस्व व्यय ईकाई की शारीरिक गतिविधि से जुड़ा होना चाहिए। इसलिए, जबकि उत्पादन और विक्रय कमाई की प्रक्रिया में राजस्व उत्पन्न करता है, उन कार्यों के समर्थन में वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग व्यय का कारण बनता है।

लधम व हधक्त खर्धे मे त्मलधम मूलधन के जररए से व य की पहचधम की जर्धी है जो हमे बर्धिधहै क्क रधजस्व के त्वलधक कब और क्कनिधव य वसूलधजधधहै। व य कधएक भधा केवल र्भी पूर्जीकृर्क्कयधजधसकर्धहै जब इनकधपर्धसीधे भत्वष्य के लधमो की त्तर्र्धिधधरधमो से लगधधजधसके।

रधजस्व व पूर्जी मे लेनदेन कधअर्र उन्हे लधम व हधक्त खर्धे मे यधआरथिक त्वटे मे रखने के उदेश्य से क्कयधजर्धहै। उदधहरण के त्लए: रधजस्व व य को लधम और हधक्त खर्धे मे क्दखधयधजर्धहै क्योक्क उनके लधम एक लेखधक्न अवत्ध के त्लए होर्ीहै यधमी, त्जसमे वह खचक्किए जर्धेहै जबक्क पूर्जीगर्व य को आरथिक त्वटे के सपत्र्पक मे रखधजर्धहै क्योक्क वह एक से अत्धक लेखधक्न अवत्ध के त्लए लधम उत्पन करेगे और त्वशेष लेखधक्न वषमि उस लधम के उपयोग के आधधर पर वषकि लधम और हधक्त खर्धे मे स्थधर्धरर्क्कयधजधएगध इसत्लए, पूर्जी व रधजस्व व य दोनो को अर्िः लधम व हधक्त खर्धे मे स्थधर्धरर्कर क्दयधजर्धहै।

रधजस्व व य को व य के वषमि लधम व हधक्त खर्धे मे स्थधर्धरर्क्कयधजर्धहै जबक्क पूर्जीगर्व य को उस वषकि लधम व हधक्त खर्धे मे स्थधर्धरर्क्कयधजर्धहै त्जसमे उनके लधमो कधउपयोग क्कयधजर्धहै। इसत्लए, हम यह त्नषकषत्निकधम सकर्ीहै क्क यह समय कधरक है, जो व य को लधम और हधक्त खर्धे मे स्थधर्धरर्करने कधमुख्य त्नधधर्कि है। इसके अलधधव व यो को त्मलधम अवधधरणधके जररए से लधम व हधक्त खर्धिमे पहचधधजर्धहै जो हमे बर्धिधहै क्क रधजस्व के त्वलधक कब और क्कनिधव य क्कयधजधधहै। हधलधक्क, पूर्जी व रधजस्व के बीच अर्र कधमी कर्निधई पैदधकरर्धहै। कई मधमलो मे दोनो के बीच की सीमधरेखधबहर्पर्ली होर्ीहै।

3.2 पूर्जी व रधजस्व व य के त्नधधरण करने कधत्नचधर

पूर्जी व रधजस्व व य के बीच अर्र मे मूल त्नचधर है:

(a) **व धधर की पकृत्:** फनीचर मे कधमकिरने वधले व धधरी के त्लए, फनीचर कधकय रधजस्व व य है, लेक्कन क्कसी भी अन्य व धधर के त्लए, फनीचर के कय को पूर्जीगर्व य के रूप मे मधधजधधचधहए और आरथिक त्वटधमे सपत्र्के रूप मे क्दखधधजधधचधहए। इसत्लए, पूर्जी व रधजस्व के बीच व य को अलग करने मे व धधर की पकृत्एक बहर्ही महत्वपूणमिधदर्ड है।

(b) **व य की आवर्ी पकृत्:** यक्द क्कसी व य की आवृत्एक लेखधवषमि अक्सर होर्ीहै, र्ो इसे रधजस्व पकृत्कध व य कहधजर्धहै, जबक्क गैर - आवर्ी व य पकृत्मे दुलमि है और अक्सर एक लेखधक्न वषमि नही होर्धहै। मधसक वेर्न यधक्करधयधरधजस्व व य कधउदधहरण है क्योक्क वह हर महीने व य क्कयधजर्धहै जबक्क सपत्र्यो की कय त्नयत्मर्रूप से क्कयधजधने वधलधलेन-देन नही है, इसत्लए पूर्जीगर्व य के रूप मे वगीकृर्क्कयधजर्धहै जब र्क्कि क्क भौत्कधमधदर्ड इसे रधजस्व व य के रूप मे पररभधषर्नही करर्धहै।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(c) **व य कधउदेशय:** सापत के सधमधनय रख-रखधव के दौरधन मशीन की मरममत के तलए व य कायधजधसकधिहै। इस ि रह के व य पकृत मे रधजसव है। दूसरी ओर, सापत की पमुख मरममत के तलए कायधगयधव य धिक इसकी उतपधदक कमधिबढ सके, पकृत मे पूजी है। हधलधक, रखरखधव और सधमधनय मरममत की लधाि कध तनधधरण, तजसे खचकियधजधाधचधहए, उस लधाि के तवपरीत तजसे पूजीकृत कायधजधाधचधहए, हमेशध सरल नही होधिहै।

(d) **व वसधय की रधजसव सृजन कमधिपर पभधव:** वितिधाि अवतध मे आय / रधजसव उतपन करने मे सहधयधिकरने वधले व य पकृत मे रधजसव है और वितिधाि अवतध मे अरजत रधजसव के मुकधबले तमलधन कायधजधाधचधहए। दूसरी ओर, यकद व य एक से अतधक **लेखांकन** अवतध मे रधजसव उतपन करने मे सहधयधिकरधिहै, ि ो इसे आमि ौर पर पूजीगि व य कहधजधिधिहै।

जब एक अचल सापत के सुधधर व मरममत पर व य कायधजधिधिहै, ि ो इसे लधभ व हधतन खधिे से पभधररि कायधजधाधचधहए यकद अचल सापतयो से अपेतक भतवषय के लधभ नही बदलधिहै, और इसे अचल सापत के बहीखधिधमूलय मे सममतलि कायधजधएगध जहधसापतयो से अपेतक भतवषय के लधभ मे बढोिरी होिी है।

(e) **सममतलि रकम की भौतकिधि** सममतलि रकम कधसधथेक अनुपधि रधजसव और पूजी के बीच अिर मे एक और महतवपूणतिचधर है।

3.3 पूजीगि व य व रधजसव व य

जैसधकक हमने पहले ही चचधकी है, पूजीगि व य एक से अतधक **लेखांकन** अवतध मे ककसी व धपधर की रधजसव अजत कमधिमे योगदधन देधिहै जबकक रधजसव व य एक तवशेष लेखधअवतध के तलए रधजसव उतपन करने के तलए कायधजधिधि है। रधजसव व य यधि ि रधजसव के सधथ सीधे सामध मे यध**लेखांकन** अवतध के सामध मे होधिहै, उदधहरण के तलए तवकय की गई वसि ुओ की लधाि, वेि न, ककरधयध आकद। तवकय ककए गए मधल की लधाि सीधे तवकय रधजसव से सामधति है जबकक ककरधयधतवशेष लेखधकन अवतध से सामधति है। पूजी व य भतवषय के लधभो को सथधयी करने के तलए ककसी भी मूि यधअमूि अचल सापतयो के अतधगहण कधपत ततनतधतव कर सकि ी है। इसतलए, पूजीगि व य से उतपन होने वधले लधभ एक से अतधक **लेखांकन** अवतध के तलए रहि े है जबकक रधजसव व य से उतपन होने वधले लधभ एक ही लेखधकन अवतध मे समधि हो जधि े है।

3.3.1 पूजी व रधजसव व य के बीच महतवपूणअिर

मुखय अिर	पूजीगि व य	रधजसव व य
लधभ की अवतध	दीरकधिधलक अवतध मे लधभ पदधन करने के तलए कायधगयधकोई भी व य पूजीगि व य है।	वितिधाि अवतध के दौरधन लधभ पदधन करने के तलए कायधगयधकोई भी व य रधजसव व य है।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

बढोिरी बनधमे रखरखधव	पूजीगि व य व धाधर की कमिधिबढधने के उदेश्य से ककयधजधिधहै। वैकल्पिक र प से, इसमे व धाधर की मूल्य को कम करने कध व य भी सम्मतिलि है।	रधजस्व व य व धाधर की कमई कमिधिको बनधये रखने के तलए ककयधजधिधहै।
उदधहरण	कय की मशीन, कधर, फनीचर, आकद	मरम्मि व रखरखधव, लेखधकमिधरयो कध वेिन, आकद।

त्वतण 1

कधरणो के सधथ बिधिएकक कयधत्तमतलतखि कथन 'सही' है यध'गलि'।

(1) *पयुक मशीनरी की कय कधव य रधजस्व व य होिधहै।*

(2) *कधमकि व य को कम करने के तलए व य ककयधगयधपैसधरधजस्व व य है।*

(3) *सापति पधि करने के तलए कधनूनी शुल्क पूजीगि व य है।*

(4) *एक मुकदमे कधबचधव करने के तलए वकील के शुल्क के र प मे व य की गई रकम कधदधवधहै कक कापनी कध कधरखधधधस्थल वधली की भूतम से सम्बन्धि है जो कक पूजीगि व य है।*

(5) *मशीन के तर से हुए तहस्से को बदलने के तलए खचकी गई रधशा पूजीगि व य है।*

(6) *ककसी पुरधने भवन की खरीद पर पहली बधर मरम्मि और सफेदी पर ककयधगयधव य रधजस्व व य है।*

(7) *तसनेमधचलधने के तलए लधइसेस पधि करने के सम्बन्ध मे व य पूजीगि व य है।*

(8) *अस्थधयी झोपतडयो के तनमधि के तलए व य की गई रकम, जो तसनेमधरर के तनमधि के तलए आवश्यक थी और तसनेमधररर ियधर होने पर ध्वस्ि कर दी गई, वह पूजीगि व य है।*

समधधधन

(1) **गलि:** स्टकधक दीरधकधतलक लधभ पधि करने के तलए दूसरे हधथ की मशीनरी को कधमकिरने की तस्थति मे रखने के तलए पूरी जधच व मरम्मि पर व य ककयधजधिधहै। इसतलए इसे पूजीकृि ककयधजधनधचधतहए।

(2) **गलि:** यह यथोतचि र प से मधनधजधसकिधहै कक रधजस्व व य को कम करने के तलए व य ककए गए पैसे से ईकधई को दीरधकधतलक लधभ उत्पन्न ककयधहोगध ि यह पूजीगि व य है।

(3) **सही:** ककसी भी सापति कधअतधग्रहण करने के तलए भुगिधन ककयधगयधकधनूनी शुल्क उस सापति की लधगि कध तहस्सधहै। यह सापति के स्वधतमत्व के अतधकधर के तलए ककयधजधिधहै व इसतलए पूजीगि व य होिधहै।

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(4) **गलत:** एक मुकदमे कधबचधव करने के तलए ककए गए कधनूनी व य यह दधवधकरते हए कक कापनी कधकधरखधनधध स्थलवधली कधहै, सापतत कधरख-रखधव व य है। इस व य से, भतवषय मे न तो कोई सहन करने योगय लधभ पधत कयधजधसकधहै, इसके अलधवधजो वततमधन मे उपलबध है और न ही पसापतत की कमतधमे बढोतरी होगी। ककसी सापतत के सापबध मे रखरखधव व य रधजसव व य है।

(5) **गलत:** मशीन के ककसी भी तरसे हए तहससे को बदलने के तलए व य की गई रकम रधजसव व य है कयोकक यह इसकी रखरखधव मूल्य कधतहससधहै।

(6) **गलत:** पुरधने भवन की पहली बधर मरममत व सफेद धुलधई कधव य भवन को पयोग करने योगय तसथतत मे लधने के तलए ककयधजधतधहै। यह इमधरत के मूल्य कधतहससधहै। तदनुसधर, यह पूजीगत व य है।

(7) **सही:** तवनधलधइसेस के ततनेमधहॉल शुर नही ककयधजधसकतधथध लधइसेस पधत करने के तलए ककयधगयधव य पूवतपररचधलन व य है तजसे पूजीकृत ककयधजधतधहै। इस तरह के व य समय की अवतध मे पररशोतधत होते है।

(8) **सही:** ततरमत अस्थधयी झोपतडयो की मूल्य जो ततनेमधरर के ततमधण के तलए आवश्यक थी, ततनेमधरर की ततमधण मूल्य कधतहससधहै। इसतलए ऐसी मूल्यो को पूजीकृत ककयधजधनधहै।

तवतरण 2

कधरण सतहत बतधइए कक कयधतनमनतलतखत पूजीगत यधरधजसव व य है:

(1) *कधरखधनधशुर करने के तलए लधइसेस पधत करने के सापबध मे ₹ 10,000 कधव य।*

(2) *नई सधइट पर मधल सूची हटधने के तलए ₹ 1,000 कधभुगतधन ककयधगयध*

(3) *ईधन दकतधपधत करने के तलए एक इजन के रगग और तपसटन को ₹ 5,000 की मूल्य से बदलधगयध*

(4) *कधयधतलय मे टेलीफोन सथधतपत करने के तलए महधनगर टेलीफोन ततगम तलतमटेड (MTNL) को ₹ 8,000 कध भुगतधन ककयधगयध*

(5) *₹ 1,00,000 की लधगत से एक फैकरी शेड कधततमधण ककयधगयध भवन ततमधण सधमगी के भडधरण के तलए अस्थधयी झोपतडयो के ततमधण मे ₹ 5,000 व य ककयधगयधथध*

समधधधन

(1) फैकरी शुर करने के तलए लधइसेस पधत करने के तलए ₹10,000 कधभुगतधन एक पूजीगत व य है। यह व वसधय करने कधअतधकधर पधत करने के तलए ककए गए व य की एक वसतु है।

(2) नई सधइट पर मधल सूची हटधने के तलए भुगतधन ककयधगयध₹1,000 रधजसव व य है। यह न तो सथधयी लधभ लध रहधहै और न ही सापतत के मूल्य को बढधरहधहै।

(3) ईंधन दक्षता में सुधार करने के लिए इंजन के रिंग और पिस्टन बदलने में व्यय किया गया ₹5,000 पूंजीगत व्यय है। यह एक अचल संपत्ति के सुधार पर एक व्यय है। इसके परिणामस्वरूप मूल्य में कमी से व्यापार की लाभ-अर्जन क्षमता में बढ़ोतरी होती है।

(4) कार्यालय में टेलीफोन की स्थापना के लिए MTNL के पास जमा धन व्यय नहीं है। इसे एक संपत्ति के रूप में माना जाता है और इसे वास्तविक टेलीफोन बिलों के विरुद्ध समय की अवधि में समायोजित किया जाता है।

(5) अस्थायी झोपड़ियों की मूल्य सहित भवन के निर्माण की मूल्य पूंजीगत व्यय है। बिल्डिंग अचल संपत्ति है जो एक से अधिक **लेखांकन** अवधि में व्यापार को स्थायी लाभ उत्पन्न करेगी। अस्थायी झोपड़ियों का निर्माण मुख्य निर्माण के लिए आकस्मिक है। इस तरह की मूल्य को भवन की मूल्य के साथ पूंजीकृत भी किया जाता है।

चित्रण 3

*बेस्ट टेक सॉल्यूशंस अपने व्यापार के एक हिस्से के रूप में कंप्यूटर क्रय व विक्रय करती है। इसने अपने ग्राहकों को पुनर्विक्रय के लिए 20 कंप्यूटर खरीदे। प्रत्येक कंप्यूटर की मूल्य ₹20,000 है। इसने अपने **लेखांकन** के लिए ₹24,000 की लागत वाले एक कंप्यूटर भी खरीदे ताकि वह **लेखांकन** विवरण बनाए रखे और चालान की छपाई कर सके। सुझाव दें कि क्या उपरोक्त लेनदेन पूंजीगत व्यय या राजस्व व्यय लेनदेन के रूप में योग्य है?*

समाधान

बेस्ट टेक सॉल्यूशंस कंप्यूटर क्रय व विक्रय के व्यापार में है। अपने ग्राहकों को पुनर्विक्रय के लिए क्रय किया गया कोई भी कंप्यूटर राजस्व व्यय के रूप में योग्य होगा। इसलिए, क्रय किया हुआ 20,000 x 20 = ₹4,00,000 राजस्व व्यय का एक हिस्सा होगा।

साथ ही, विवरण व चालान बनाए रखने के लिए क्रय किया गया कंप्यूटर को व्यापार को अधिक समय तक संचालित करने में सक्षम होना है। इसलिए, क्रय किया हुआ ₹24,000 पूंजीगत व्यय के रूप में योग्य है। यह रकम आस्तियों में संपत्तियों का एक हिस्सा होगी।

3.4 पूंजीगत प्राप्तियाँ व राजस्व प्राप्तियाँ

जिस तरह पूंजी व राजस्व व्यय के बीच एक स्पष्ट अंतर आवश्यक है, उसी तरह पूंजी प्राप्तियों को राजस्व प्राप्तियों से अलग किया जाना चाहिए।

सामान्य व्यापारिक गतिविधियों के दौरान प्राप्त होने वाली प्राप्तियाँ राजस्व प्राप्तियाँ होती हैं (जैसे, वस्तुओं या सेवाओं की विक्रय से प्राप्तियाँ, ब्याज आय आदि)। दूसरी ओर, जो प्राप्तियाँ प्रकृति में राजस्व नहीं है, वह पूंजीगत प्राप्तियाँ हैं (उदाहरण के लिए, अचल संपत्तियों या निवेशों की विक्रय से प्राप्तियाँ, सुरक्षित या असुरक्षित ऋण, मालिकों का योगदान आदि)। प्राप्ति का अधिकार स्थापित होते ही राजस्व और पूंजीगत प्राप्तियों को प्रोद्भवन आधार पर मान्यता दी जाती है। राजस्व प्राप्तियों को वास्तविक नकद प्राप्तियों के बराबर नहीं किया जाना चाहिए। राजस्व प्राप्तियाँ लाभ व हानि खाते में जमा की जाती है।

दूसरी ओर, पूंजीगत पधायिधसीधे लधम व हधाि खधिमे जमधनही की जधीी है। उदधहरण के तलए, जब एक अचल सापतत तवकय की जधीी है ₹92,000 (मूल्य ₹90,000), पूंजी पधायिध₹92,000 लधम व हधाि खधीमे जमधनही कायध जधिधहै। अचल सापततयो की तवकय पर लधम यधहधाि की गणनधकी जधीी है और लधम व हधाि खधीमे तामधनुसधर जमधकी जधीी है:

तवकय आय	₹92,000
मूल्य	(₹90,000)
लधम	₹2,000

तवतण 4

ऐसे कधरणो के सधथ बतधइाक कयधAB ltd के व धाधर से सबाधतत तामन वसतुएापूंजी यधरधजस्व पधायिधहै?

(a) *₹10 लधख की बहीखधिधमूल्य वधली एक मशीन ₹12 लधख मे तवकय की है।*

(b) *शेयर जधरी करने पर ₹1 लधख की पीतमयम रकम पधतहुई*

(c) *नकद मे तवकय कायधगयधमधल ₹20,000 की रकम से पधतहुआ।*

(d) *बैक से सधवतध जमधकी पररपकतधपर ₹5 लधख की रकम पधतहुई। सधथ ही, सधवतध जमधकी पररपकतधरकम के अलधवध₹40,000 कधबयधज भी तमलतधिथध*

समधधन

(a) ₹12 लधख की रकम एक पूंजीगत रसीद है। मशीन की तवकय पर ₹2 लधख (12 - 10) तक कधमुनधफधहोतधहै।

(b) शेयरो के तनगमन पर पधत पीतमयम पूंजी पधात कधएक उदधहरण है।

(c) नकद तवकय से पधत रकम एक रधजस्व रसीद है।

(d) सधवतध जमधकी पररपकतधपर पधत रकम जमधरकम की वसूली है, और एक पूंजी रसीद है। बयधज आय रधजस्व पधात कधएक उदधहरण है।

तवतण 5

गुड तामचसतलतमटेड, एक तसनेमधररकधतामधाि करतधहै और 31 मधचा2022 को समधत होने वधले पहले वषाके दौरधन तामतलतखत व य करतधहै।

(1) *₹9,000 कधदूसरे हधथ कधफनीचर तवकय कायधगयध फनीचर को दोबधरधरागने मे ₹1,000 कधव य आतधहै। फनीचर स्थयाके मजदूरो दधरधस्थधातत कायधगयधथध इसकी मजदूरी ₹200 थी।*

(2) *तसनेमधचलधने के तलए लधइसेस पधत करने के सबाध मे ₹20,000 कधव य। वषाके दौरधन तनयमो कधउल्लघान करने पर तसनेमधकापनी पर ₹1,000 कधजुमधानधलगधयधगयध अगले वषाके तलए नवीनीकरण शुल्क ₹2,000 कधभी भुगतधन कायधगयध*

(3) *अतग बीमध ₹1,000 कधभुगतधन 1 अक्टूबर, 2021 को एक वषाके तलए कायधगयधथध*

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

(4) ₹1,200 की मूल्य से अस्थधयी झोपतियो कधतिमधणि कयधगयध वह तसनेमधके तिमधणि के तलए आवश्यक थध तसनेमधर्ियधर होने पर उन्हे धवस्ि कर तदयधगयधथध

इंतगि करे तक आप उपरोक्त वस्िुओ को कैसे वगीकृि करेगे।

समधधधन

(1) फनीचर की कुल मूल्य को इस पकधर मधनधजधनधचधतहए ₹10,200 यधनी, उपरोक्त सभी रकम को पूंजीकृि कयधजधनधचधतहए क्योतक इस ि़िह के व य के तबनधफनीचर उपयोग के तलए उपलब्ध नही होगे। अगर ₹1,000 व ₹200 कमशः मरम्मि खधिधव मजदूरी खधिधमे डेतबट कयधगयधहै, िो इन खधिो को फनीचर खधिधमे जमधकयधजधएगध

(2) तसनेमधररर चलधने के तलए लधइसेस आवश्यक है, इसतलए इसकी लधगि को पूंजीकृि कयधजधनधचधतहए। लेतकन जुमधनधर₹1,000 रधजस्व व य है। अगले वषकि तलए नवीकरण शुल्क भी रधजस्व व य है, लेतकन अगले वषसि सबंतधि है; इसतलए, यह एक पीपेड व य है।

(3) बीमधपीतमयम कधआधधतहस्सध1 अपैल, 2021 से शुर होने वधले वषसि सबंतधि है। इसतलए ऐसी रकम को पीपेड व य के र प मे मधनधजधनधचधतहए। शेष रकम चधलू वषकि तलए रधजस्व व य है।

(4) चूंतक तिमधणि के तलए अस्थधयी झोपतियधआवश्यक थी, इसतलए उनके मूल्य को तसनेमधहॉल के मूल्य मे जोडध जधनधचधतहए व इस पकधर पूंजीकृि कयधजधनधचधतहए।

तचतण 6

कधरणो के सधथ बिधइएतक आप व य की तनम्नतलतखि वस्िुओ को कैसे वगीकृि करेगे:

(1) बेहिर ईधन दक्षिधपधने के तलए एक मोटर कधर के इंजन की पूरी जधच और मरम्मि पर ₹25,000 रपये कध व य आएगध

(2) मौजूदधव धपधर मे एक नई तितिमधणि ईकधई खोलने पर ₹25 लधख कधउदघधटन व य।

(3) स्वैतच्छक सेवधतनवृति कधतवकल्प चुनने वधले मजदूरो को ₹2.5 करोड रपए कधमुआवजधतदयधगयध

समधधधन

(1) बेहिर ईधन दक्षिधपधि करने के तलए मोटर कधर के इंजन के तनरीक्षण पर व य कयधजधिधहै। यह व य भतवष्य मे चलने वधली लधगि को कम कर देगधऔर इस पकधर लधभ स्थधयी दीर्घकधतलक लधभ के र प मे होगध इसतलए इस व य को पूंजीकृि कयधजधनधचधतहए।

(2) एक नई इकधई के उदघधटन पर तकए गए उदघधटन व य अतधक गधहको कधपिधलगधने मे सहधयिधकर सकिधहै यह व य रधजस्व व य की पकृति मे है, क्योतक व य एक से अतधक **लेखांकन** अवतध मे व धपधर को कोई स्थधयी लधभ उत्पन्न नही कर सकिधहै।

(3) स्वैतच्छक सेवधतनवृति पर मजदूरो को भुगिधन की गई रकम रधजस्व व य की पकृति मे है। चूंतक व य की रकम कधफी बहि महत्वपूणहै, इसतलए भतवष्य के वषो मे इसे स्थतगि करनधबेहिर हो सकिधहै।

त्वतण 7

तामतलतखतवि व य व पधतियो को पूंजी यधरधजस्व के र प मे वगीकृत करे:

(i) *पूंजीगत सापति की त्वक्रय के तलए तादेश यधाक्षो पर तादेशको के यधाधव य के र प मे ₹10,000 व य कायधगयध*

(ii) *वषकि दौरधन व धाधर पधति यो से पधप्त रकम।*

(iii) *उसी स्थधन पर बडी इमधरत बनधने के तलए इमधरत को तिडने पर रधतश खचक्री गई।*

(iv) *आग से कति गस्त मशीनरी के कधरण पधप्त बीमधदधवध*

समधधधन

(i) पूंजीगत व य।

(ii) रधजस्व पधप्ति।

(iii) पूंजीगत व य।

(iv) पूंजी रसीद।

त्वतण 8

क्यधतामतलतखत व य पकृति मे पूंजी है?

(i) *मैससABC & कापनी एक रेसत्रिधचलधर्ती है। वह कुछ पुरधने केतबनो कधनवीनीकरण करती है। इस नवीनीकरण के कधरण कुछ जगह खधली कर दी गई और केतबनो की सांख्यध 10 से बढधकर 13 कर दी गई। कुल व य ₹20,000 थध*

(ii) *मेससनिई क्दल्ली फधइनेल्साा कापनी कसत भुगतधन के आधधर पर कुछ सधमधन बेचे। पधप्त गधहको ने कतश्ते कध भुगतधन नही कयध ऐसी बकधयधकतश्ते की वसूली के तलए, फमनि कधनूनी खचो पर ₹10,000 खचक्रिए।*

(iii) *क्दल्ली की मेससबिल्लव & कापनी ने अहमदधबधद की मेससशिह & कापनी से एक मशीनरी खरीदी। मैससबिल्लव & कापनी ने ऐसी मशीनरी के पररवहन के तलए ₹40,000 खचक्रिए। समधान वषा31 क्दसाबर, 2022 है।*

समधधधन

(i) केतबनो के नवीनीकरण ने केतबनो की सांख्यधमे बढोतरी की है। इससे व धाधर की भतवष्य की रधजस्व सृजन कमतधपर पभधव पडेगध इस पकधर, नवीकरण व य पकृति मे पूंजीगत व य है।

(ii) गधहक से देय कतश्ते की वसूली के तलए कए गए व य से भतवष्य मे रधजस्व सृजन कमतधमे बढोतरी नही होती है। यह व धाधर कधएक सधमधन्य आवती व य है। इस पकधर, इस मधमले मे कए गए कधनूनी व य पकृति मे रधजस्व व य है।

(iii) अचल सापति के पररवहन के कधरण होने वधलधव य पकृति मे पूंजीगत व य है

सधरधंश

- रधजस्व व य लधभ व हधनि खधर्ि मे कदखधयधजधर्िधहै जबकक पूंजीगि व य को आरथक तिवटधके संपत्ति पक पर रखधजधर्िधहै क्योंकक वह लेखधंकन अवधि से अधिक के ललए लधभ उत्पन्न करिधहै।
- पीपेड व य भववष्य के व य है जो पहले से भुगिधन ककए गए है। इन्हे आरथक तिवटधमे संपत्ति के रूप मे कदखधयध गयधहै।
- पधर्ि पधर्ियो को रधजस्व पधर्ियो और पूंजीगि पधर्ियो के बीच वगीकृि ककयधजधनधचधहहए।

अपने जधन कधपरीकण करे

सत्य और असत्य

1. *पूंजी व रधजस्व के बीच व य को अलग करने मे व धधर की पकृति एक महत्वपूर्णमिधनदंड नही है।*
2. *संपत्ति की पमुख मरम्मि के ललए ककयधगयधव य जिससे इसकी उत्पधदक कमिधको बढधयधजधसके, पकृति मे रधजस्व है।*
3. *एक मुकदमे कधबचधव करने के ललए वकील के शुल्क के रूप मे व य की गई रकम कधदधवधहै कक कंपनी कध कधरखधनधस्थल वधली की भूलम से संबंधिि है, यह पूंजीगि व य है।*
4. *मशीन के खरधब हो चुके हहस्से को पररविर्न के ललए व य की गई रकम पूंजीगि व य है।*
5. *संपत्ति पधर्ि करने के ललए कधनूनी शुल्क पूंजीगि व य है।*
6. *अस्थधयी झोपडियो के तनमधर्ण के ललए व य की गई रकम, जो लसनेमधघर के तनमधर्ण के ललए आवश्यक थी और लसनेमधघर िैयधर होने पर ध्वस्ि कर दी गई थी, वह पूंजीगि व य है।*

बहुववकल्पीय पश्न

1. *पूंजीगि संपत्ति की कय के ललए तनदेशको की तनदेश यधत्रधओ पर यधत्रधव य के रूप मे ₹10,000 कधधन व य ककयधजधर्िधहै*

   (a) *पूंजीगि व य*

   (b) *रधजस्व व य*

   (c) *पीपेड रधजस्व व य*

© भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान

2. एक मुकदमे कधबचधव करने के तलए वकील की फीस के र प मे व य की गई ₹5,000 की रकम यह दधवधकरीी है कक कांपनी की फैकरी स्थलवधी की भूतम से सम्बांधि है।

 (a) पूांजीगि व य

 (b) रधजस्व व य

 (c) पीपेड रधजस्व व य

3. रधम एवाश्यधम सोशल क्लब को ₹2,000 पवेश शुल्क पधि हुआ, वो है,

 (a) पूांजी पधति

 (b) रधजस्व पधति

 (c) पूांजीगि व य

4. एक तातामधी सांस्थधदधरधकधशील पूांजी के तलए सरकधर से ₹40,000 की सतब्सडी पधि होिी है, वो है,

 (a) पूांजी पधति

 (b) रधजस्व पधति

 (c) पूांजीगि व य

5. बीमधदधवधकी पधि रकम है

 (a) पूांजी पधति

 (b) रधजस्व पधति

 (c) पूांजीगि व य

6. तनवेश पर ब्यधज पधि रकम है

 (a) पूांजी पधति

 (b) रधजस्व पधति

 (c) पूांजीगि व य

7. कधयशील पूांजी बढधने के तलए मध्यम अवतध ऋण के र प मे IDBI से पधि रधशश है

 (a) पूांजीगि व य

 (b) रधजस्व व य

 (c) पूांजी पधति

8. उतधदो की तबकय से रधजस्व, आमिौर पर, उस अवतध मे कमधई के तहस्से के र प मे ररपोटककयधजधिधहै तजसमे

 (a) तबकय की जधिी है।

 (b) नकदी एकत ककयधजधिधहै।

 (c) उतधद तनरमि होिधहै।

9. *यदि मरम्मत मूल्य ₹25,000 है, सफेदी व्यय ₹5,000 है, (यह दोनो व्यय वर्तमान मे प्रयुक्त भवन से सम्बन्धित है) भवन के विस्तार मूल्य ₹2,50,000 है और इलेक्ट्रिकल वायरिंग सिस्टम मे सुधार का मूल्य ₹19,000 है; तो व्यय की जाने वाली रकम होगी*

   (a) *₹2,99,000.*

   (b) *₹44,000.*

   (c) *₹30,000.*

सैद्धान्तिक प्रश्न

1. *पूंजी और राजस्व व्यय के बीच अंतर करने मे मूल सिद्धांत क्या है?*

2. *राजस्व प्राप्तियों को परिभाषित करे और उदाहरण दे। इन प्राप्तियों से कैसे निपटा जाता है?*

उत्तर / संकेत

सत्य और असत्य

1. असत्य: पूंजी व राजस्व के बीच व्यय को अलग करने मे व्यापार की प्रकृति एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्धारक है। उदाहरण के लिए-फर्नीचर मे काम करने वाले व्यापारी के लिए, फर्नीचर की क्रय राजस्व व्यय है, लेकिन किसी भी अन्य व्यापार के लिए, फर्नीचर की क्रय को पूंजीगत व्यय के रूप मे माना जाना चाहिए और आर्थिक चिट्ठे मे संपत्ति के रूप मे दिखाया जाना चाहिए। .

2. असत्य: संपत्ति की प्रमुख मरम्मत के लिए किया गया व्यय जिससे इसकी उत्पादक क्षमता को बढ़ाया जा सके, प्रकृति मे पूंजी है।

3. असत्य: एक मुकदमे का बचाव करने के लिए किए गए कानूनी व्यय यह दावा करते है कि कंपनी का कारखाना स्थल वैध है, संपत्ति का रख-रखाव पर व्यय है। इस व्यय से भविष्य मे न तो कोई सहन करने योग्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है, इसके अलावा जो वर्तमान मे उपलब्ध है और न ही संपत्ति की क्षमता मे बढ़ोतरी होगी। किसी संपत्ति के संबंध मे रखरखाव व्यय राजस्व व्यय है।

4. असत्य: मशीन के किसी भी खराब हो चुके हिस्से को परिवर्तित के लिए व्यय की रकम राजस्व व्यय है क्योंकि यह इसकी रखरखाव मूल्य का हिस्सा है।

5. सत्य: किसी भी संपत्ति का अधिग्रहण करने के लिए भुगतान किया गया कानूनी शुल्क उस संपत्ति की मूल्य का एक हिस्सा है। यह संपत्ति के स्वामित्व के अधिकार के लिए किया जाता है और इसलिए पूंजीगत यह व्यय होता है।

6. सत्य: चूंकि निर्माण के लिए अस्थायी झोपड़ियां आवश्यक थी, इसलिए उनका मूल्य को सिनेमा हॉल के मूल्य मे जोड़ा जाना चाहिए और इस प्रकार पूंजीकृत किया जाना चाहिए।

बहुविकल्पीय पश

1.	(a)	2.	(b)	3.	(a)	4.	(b)	5.	(a)	6.	(b)
7.	(c)	8.	(a)	9.	(c)						

सैद धांति क पश

1. पूंजी व रधजस्व व य के बीच अ रि मे मूल तवचधर है:

(a) व धाधर की पकृति।

(b) व य की आवृति पकृति।

(c) व य कधउदेशय।

(d) व धाधर की रधजस्व सृजन कमि धिपर पभधव।

(e) सम्मतलि रकम कधमहत्व।

2. सधमधन्य व धाधरक गति तिवधियो के दौरधन पधि होने वधली पधति यिधरधजस्व पधति यिधहोति है (उदधहरण के तलए, वस्तुओ यधसेवधओ की तिकय से पधति यिध बयधज आय आतद)।

रधजस्व पधति यिो को वधति तिवक नकद पधति यिो के बरधबर नही कतयधजधनधचधतहए। रधजस्व पधति यिधलधभ व हधति खधिधमे जमधकी जति ति है।